basis for some time, and if so, by when?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D. K. THARA DEVI SIDDHARTHA): (a) This Ministry is not aware of any such unique discovery made by Shri Dinesh Verma in astrology. However, Shri Verma is reported to have been issued certificates by a few individuals from Bihar wherein the latter have stated that Shri Verma was applying his knowledge of astrology for establishing a link with family planning.

(b) There is no proposal to secure the services of Shri Verma on a trial basis.

मैसर्स आर०के०बी०हर्बल (प्राइवेट) लिमिटेड के विरुद्ध कार्यवाही

222. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ शीश अफजल :** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री 18 दिसम्बर, 1991 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 2842 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मैसर्स आर० के० बी० हर्बल (प्राइवेट) लिमिटेड नई दिल्ली के विरुद्ध कुछ शिकायतें प्राप्त हुई हैं ; और

(ख) यदि हां, तो उन पर सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी० के० तारा देवी सिद्धार्थ) : (क) जी, हां ।

(ख) मैसर्स आ० के० बी० हर्बल (प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध दो शिकायतें प्राप्त हुई थीं । दोनों शिकायतों की जांच पड़ताल करवाई गई । यह पाया गया कि यह फर्म 1991 में के० स० स्वा० योजना निदेशालय को होलियोपैथिक औषधों की आपूर्ति के लिए पंजीकृत नहीं की गई थी । इस समय भी यह फर्म के० स० स्वा० योजना निदेशालय से पंजीकृत नहीं है । अतः के० स० स्वा० योजन निदेशालय द्वारा इस फर्म के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती है ।

237. [Transferred to the 7th May, 1992]

दिल्ली में अस्पतालों और बिस्तरों की आवश्यकता

224. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
श्री रणजीत सिंह :

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में आम आदमी के लिए अस्पतालों और बिस्तरों की आवश्यकता के संबंध में आकलन किया गया है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1991 में दिल्ली की जनसंख्या के अनुसार कितने अस्पतालों और बिस्तरों की आवश्यकता है ;

(ग) क्या यह सच है कि इस आकलन के अनुसार बिस्तरों, अस्पतालों की भारी कमी है;

(घ) यदि हां, तो दिसम्बर, 1991 के अंत तक कुल कितने अस्पताल तथा बिस्तर उपलब्ध थे तथा सरकारी और निजी क्षेत्र में अलग-अलग कितने बिस्तरे उपलब्ध थे ; और

(ङ) दिल्ली के नागरिकों की इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए सरकार प्रशासन द्वारा क्या समयसीमा निर्धारित की गई है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी० के० तारादेवी सिद्धार्थ) (क) स्वास्थ्य परिचर्या आवश्यकताओं का आकलन एक साथ सतत कार्य है । समग्र वित्तीय नियंत्रणों के अनुसार जरूरतों को सम्बन्धित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों जिनमें दिल्ली भी शामिल है, की वार्षिक योजनाओं और पंचवर्षीय योजनाओं में शामिल किया जाता है ।

(ख) ऐसे कोई मानक हर जगह लागू नहीं होते हैं ।

(ग) से (ङ) दिल्ली में सरकारी और निजी क्षेत्र के अस्पतालों की कुल संख्या तथा वर्ष 1991 के अन्त तक उपलब्ध पलंगों का विवरण है। (नीचे देखिये)

दिल्ली प्रशासन के अधीन एक 500 पलंगों वाला अस्पताल और छह 100 पलंगों वाले अस्पताल स्थापित करने के लिए कार्रवाई विभिन्न चरणों में है।

दिल्ली में 1-1-1992 को विभिन्न प्रकार के अस्पतालों और उनमें पलंग संख्या का विवरण।

विवरणी

		संख्या	पलंग संख्या
1.	*स्थानीय निकाय* (दिल्ली नगर निगम+नई दिल्ली नगरपालिका)	22	3,698
2.	*सरकारी एजेंसियां* (केन्द्रीय सरकार+दिल्ली प्रशासन)	25	8,846
3.	रेलवे	2	441
4.	सांविधिक निकाय	8	2,005
5.	निजी और स्वैच्छिक संगठन	24	3,732
	कुल	81	18,722

फ्लोराइड की विषाक्तता के कारण होने वाली मौतें

225. **श्री राम जेठमलानी :**
चौधरी हरि सिंह :

डा० जिनेन्द्र कुमार जैन : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 14 अप्रैल, 1992 के इकोनोमिक टाइम्स में "फ्लोराइड पाईजनिंग डेथ्स इन गुजरात" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) क्या यह सच है कि विषाक्त जल के कारण गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग आकस्मित मौत का शिकार बन रहे हैं; और

(ग) यदि हां, तो सरकार ने इस आपदा से लोगों की रक्षा करने के लिए अभी तक कोई विशेष उपाय किये हैं यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्रीमती डी० के० तारादेवी सिद्धार्थ): (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही और सभापटल पर रख दी जाएगी।

जनसंख्या नियंत्रण

226. **श्री आनन्द प्रकाश गौतम : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1991 और 1992 में जनसंख्या को नियंत्रण में रखने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं और उनके क्या-क्या परिणाम निकले हैं ;

(ख) क्या सरकार ने जनसंख्या के स्तर को वर्तमान स्तर पर बनाये रखने के लिए कोई उपाय विकसित किया है ;

(i) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ii) यदि नहीं, तो वर्ष 1991-92 के बजट में इस शीर्ष के अन्तर्गत आबंटित की गई धनराशि कहां खर्च की गई और किस प्रकार खर्च की गई ; और

(ग) क्या सरकार जनसंख्या पर नियंत्रण पाने में असफल रही है; यदि नहीं तो पिछले 10 वर्षों से जनसंख्या किस दर से बढ़ रही है और उसके क्या कारण है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्रीमती डी० के० तारादेवी सिद्धार्थ): (क) जनसंख्या को नियंत्रण में रखने के लिए